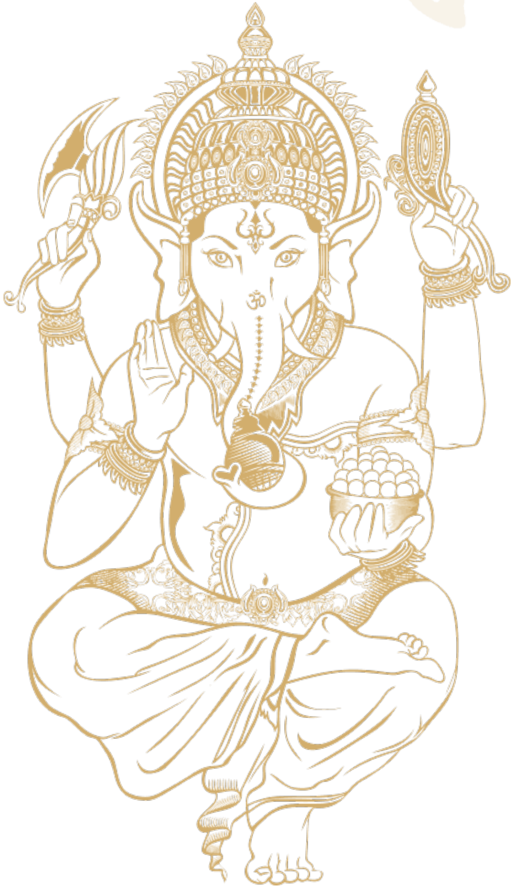

Pradeep

05 Mar 1987

07:15 AM

Jeypore

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
05/03/1987	जन्म तिथि	**05/03/2019**
गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 07:15:00	जन्म समय	12:09:05 घंटे
घटी 02:26:11	जन्म समय(घटी)	14:41:53 घटी
India	देश	India
Jeypore	स्थान	Jeypore
उत्तर 18:52:00	अक्षांश	18:52:00 उत्तर
पूर्व 82:38:00	रेखांश	82:38:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:32	स्थानिक संस्कार	00:00:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:16:31	सूर्योदय	06:16:19
18:05:58	सूर्यास्त	18:06:03
23:40:37	चित्रपक्षीय अयनांश	24:07:15

मीन	लग्न	वृष
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मेष	राशि	कुम्भ
मंगल	राशि-स्वामी	शनि
भरणी	नक्षत्र	धनिष्ठा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	मंगल
3	चरण	4
ऐन्द्र	योग	शिव
कौलव	करण	शकुनि
ले-लेखपाल	जन्म नामाक्षर	गे-गैरी
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
गज	योनि	सिंह
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	मार्जार
32	गत/तत्कालिक वर्ष	33

जन्म - विवरण / वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उ०भाद्रपद	2	07:48:46	मीन			लग्न			वृष	29:59:56	2	मृगशिरा
पू०भाद्रपद	1	20:16:24	कुंभ			सूर्य			कुंभ	20:16:24	1	पू०भाद्रपद
भरणी	3	23:05:13	मेष			चंद्र			कुंभ	05:07:39	4	धनिष्ठा
भरणी	1	14:53:27	मेष			मंगल			मेष	18:33:27	2	भरणी
शतभिषा	1	09:35:27	कुंभ	व	अ	बुध			मीन	05:30:37	1	उ०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	2	06:52:00	मीन			गुरु			वृश्चि	28:13:39	4	ज्येष्ठा
उत्तराषाढ़ा	4	08:21:49	मक			शुक्र			मक	10:07:21	1	श्रवण
ज्येष्ठा	4	26:55:11	वृश्चि			शनि			धनु	23:58:48	4	पूर्वाषाढ़ा
रेवती	1	18:06:07	मीन			राहु	व		कर्क	01:47:12	4	पुनर्वसु
हस्त	3	18:06:07	कन्या			केतु	व		मक	01:47:12	2	उत्तराषाढ़ा
मूल	1	02:43:48	धनु			मु			वृश्चि	07:48:46	2	अनुराधा

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:15

लग्न-चलित

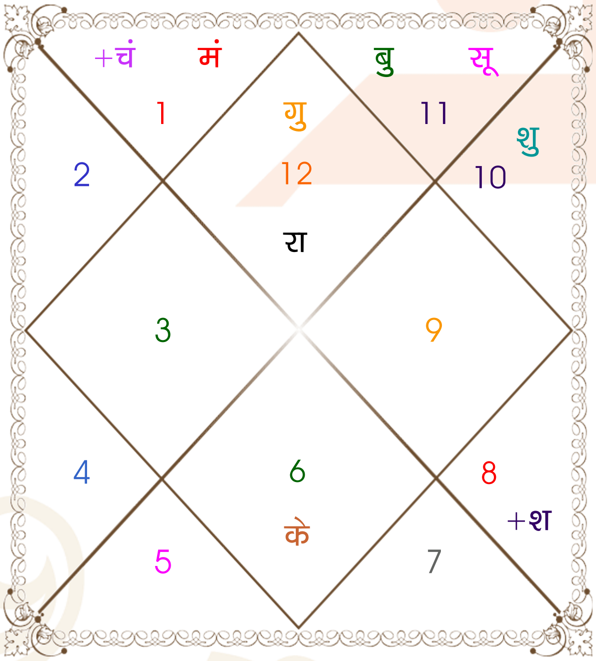

वर्ष लग्न कुंडली

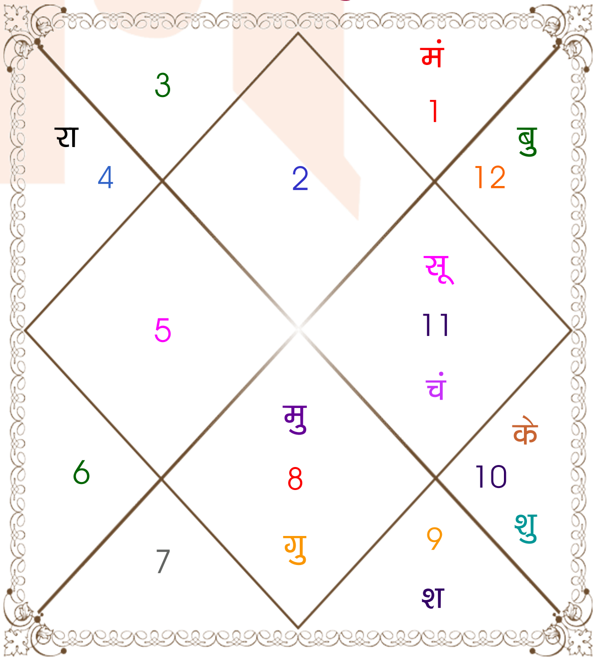

चन्द्र कुंडली

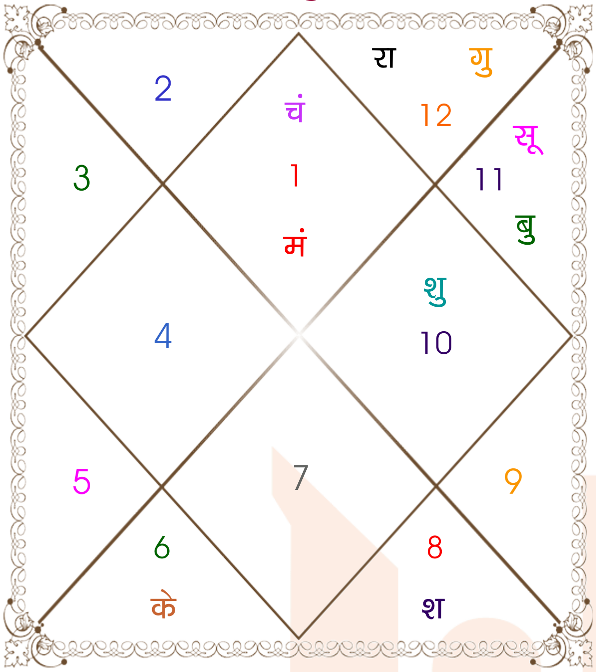

वर्ष चन्द्र कुंडली

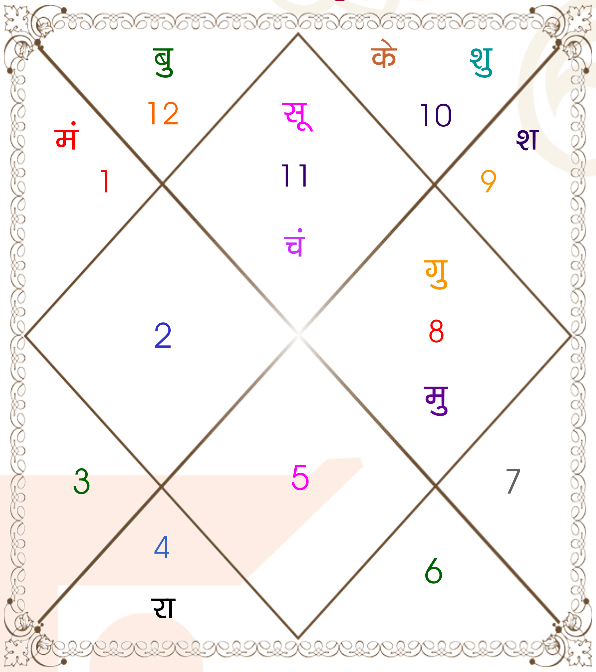

नवमांश कुंडली

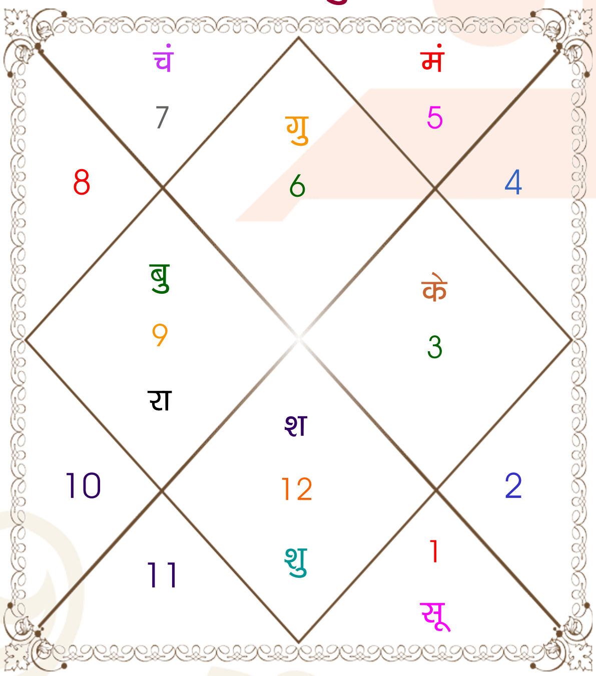

वर्ष नवमांश कुंडली

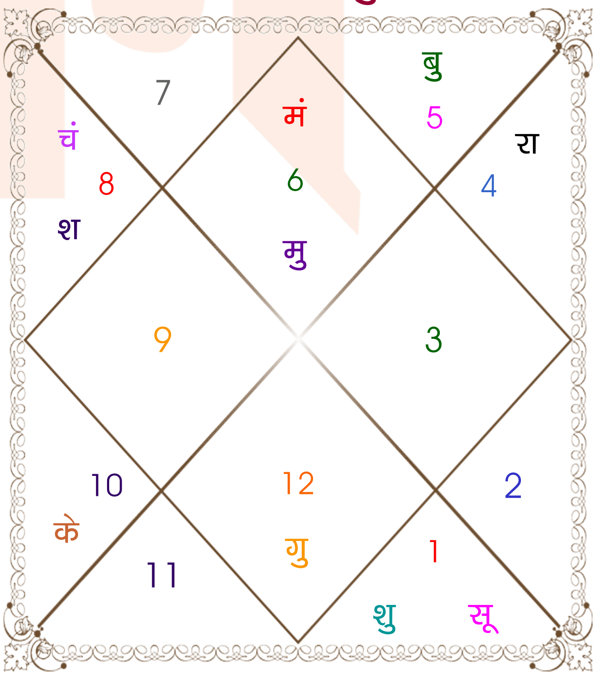

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	सम	मित्र
चन्द्र	शत्रु	---	मित्र	सम	शत्रु	सम	मित्र
मंगल	मित्र	मित्र	---	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	सम	सम	सम	---	मित्र	मित्र	शत्रु
गुरु	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	---	मित्र	सम
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	---	सम
शनि	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	सम	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	वृष	कुंभ	कुंभ	मेष	मीन	वृश्चि	मक	धनु
होरा	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	मक	कर्क	तुला	सिंह	मक	वृष	वृश्चि	कुंभ
चतुर्थांश	कुंभ	सिंह	कुंभ	तुला	मीन	सिंह	मेष	कन्या
पंचमांश	वृश्चि	मिथु	मेष	मिथु	वृष	वृश्चि	कन्या	मिथु
षष्ठांश	मीन	सिंह	वृष	कर्क	वृश्चि	मीन	धनु	सिंह
सप्तमांश	वृष	मिथु	मीन	सिंह	तुला	वृश्चि	कन्या	वृष
अष्टमांश	मीन	मक	कन्या	सिंह	मिथु	मीन	मिथु	वृश्चि
नवमांश	कन्या	मेष	वृश्चि	कन्या	सिंह	मीन	मेष	वृश्चि
दशमांश	तुला	सिंह	मीन	तुला	धनु	मेष	धनु	कर्क
एकादशांश	कुंभ	सिंह	कुंभ	कन्या	मेष	सिंह	मीन	कर्क
द्वादशांश	मेष	तुला	मेष	वृश्चि	वृष	तुला	वृष	कन्या

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	मित्र	मित्र	स्व	मित्र	सम	सम	सम
होरा	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	सम	मित्र
द्रेष्काण	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	स्व
चतुर्थांश	स्व	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
पंचमांश	सम	मित्र	सम	मित्र	सम	मित्र	शत्रु
षष्ठांश	स्व	सम	मित्र	सम	स्व	मित्र	मित्र
सप्तमांश	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	सम	मित्र	सम
अष्टमांश	मित्र	सम	मित्र	स्व	स्व	मित्र	मित्र
नवमांश	मित्र	मित्र	सम	सम	स्व	शत्रु	मित्र
दशमांश	स्व	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	मित्र
एकादशांश	स्व	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	मित्र
द्वादशांश	सम	मित्र	स्व	मित्र	मित्र	स्व	शत्रु
शुभ	7	6	7	7	5	7	7
सम	3	3	3	4	4	2	2
अशुभ	2	3	2	1	3	3	3
कुल	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	5	0	0	0	0
तृतीय बल	5	0	5	0	0	5	5
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	10	0	15	0	5	5	5
बल	सामान्य	अतिक्षीण	बली	अतिक्षीण	क्षीण	क्षीण	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	22.50	22.50	30.00	22.50	15.00	15.00	15.00
उच्च बल	14.47	10.24	11.05	1.05	4.09	11.46	12.89
हददा बल	11.25	7.50	15.00	11.25	7.50	11.25	11.25
द्रेष्काण	2.50	5.00	7.50	2.50	7.50	2.50	10.00
नवमांश	3.75	3.75	2.50	2.50	5.00	1.25	3.75
कुल	54.47	48.99	66.05	39.80	39.09	41.46	52.89
विंशोपक	13.62	12.25	16.51	9.95	9.77	10.36	13.22
बल	शुभ	शुभ	बली	सामान्य	सामान्य	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	गुरु	9.77	अति अशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	शुक्र	10.36	अतिशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	मंगल	16.51	दृष्टि नहीं	शुक्र
दिवापति	शनि	13.22	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	शुक्र	10.36	अतिशुभ	

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	वृष	14:51:10	शुक्र	20/06/2019
गुरु	कर्क	15:08:41	चन्द्र	28/08/2019
ज्ञान	कर्क	15:08:41	चन्द्र	28/08/2019
यश	धनु	13:22:25	गुरु	21/03/2019
मित्र	मेष	10:24:52	मंगल	06/12/2019
माहात्म्य	कर्क	26:17:39	चन्द्र	09/09/2019
आशा	वृष	13:51:22	शुक्र	19/06/2019
समर्थ	मकर	09:40:08	शनि	20/03/2019
भातृ	वृष	04:14:47	शुक्र	10/06/2019
गौरव	धनु	13:22:25	गुरु	21/03/2019
राजा	मेष	03:42:20	मंगल	01/12/2019
पितृ	मेष	03:42:20	मंगल	01/12/2019
मातृ	कर्क	25:00:13	चन्द्र	08/09/2019
सुत	मीन	23:05:56	गुरु	05/06/2019
जीव	कर्क	25:45:04	चन्द्र	08/09/2019
अम्बु	कर्क	25:00:13	चन्द्र	08/09/2019
कर्म	सिंह	13:02:45	सूर्य	12/09/2019
रोग	कन्या	24:52:12	बुध	03/10/2019
कामदेव	कर्क	25:00:13	चन्द्र	08/09/2019
कलि	मकर	09:40:08	शनि	20/03/2019
क्षेम	मकर	09:40:08	शनि	20/03/2019
शास्त्र	कुम्भ	09:45:28	शनि	15/04/2019
बन्धु	सिंह	00:22:54	सूर्य	29/08/2019
बंधक	मेष	29:36:57	मंगल	13/03/2019
मृत्यु	वृश्चिक	15:25:51	मंगल	16/10/2019

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	कर्क	29:10:35	चन्द्र	12/09/2019
अर्थ	कन्या	21:04:00	बुध	28/09/2019
परदारा	मेष	19:50:53	मंगल	05/03/2019
अन्यकर्म	सिंह	11:08:46	सूर्य	10/09/2019
वणिक	मेष	29:36:57	मंगल	13/03/2019
कार्यसिद्धि	तुला	27:41:12	शुक्र	02/01/2020
विवाह	कर्क	16:08:29	चन्द्र	29/08/2019
प्रसूति	कुम्भ	22:42:58	शनि	27/04/2019
संताप	कन्या	15:25:51	बुध	22/09/2019
श्रद्धा	कुम्भ	21:33:50	शनि	26/04/2019
प्रीति	सिंह	00:17:26	सूर्य	28/08/2019
बल	धनु	13:22:25	गुरु	21/03/2019
देह	धनु	13:22:25	गुरु	21/03/2019
जाडय	कर्क	00:05:15	चन्द्र	11/08/2019
व्यापार	सिंह	13:02:45	सूर्य	12/09/2019
जलपतन	कर्क	00:05:15	चन्द्र	11/08/2019
शत्रु	तुला	24:34:34	शुक्र	29/12/2019
शौर्य	कर्क	26:17:39	चन्द्र	09/09/2019
उपाय	कर्क	25:45:04	चन्द्र	08/09/2019
दरिद्रता	वृष	14:51:10	शुक्र	20/06/2019
गुरुता	सिंह	19:43:31	सूर्य	19/09/2019
जलपथ	धनु	21:01:07	गुरु	29/03/2019
बंधन	वृश्चिक	20:52:18	मंगल	22/10/2019
कन्या	वृष	04:59:38	शुक्र	11/06/2019
अश्व	मिथुन	17:44:13	बुध	18/06/2019

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

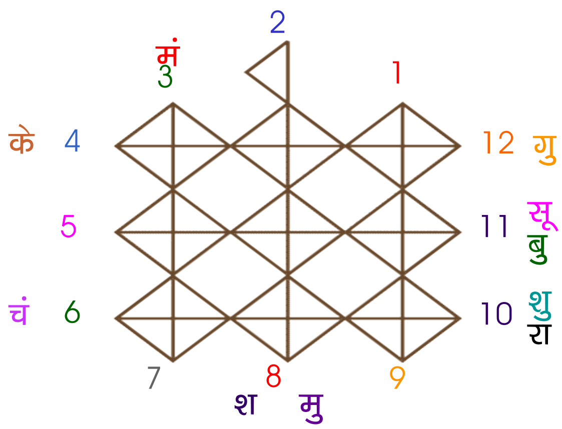

पात्यंश दशा

चंद्र	बुध	शुक्र	मंगल	सूर्य
05/03/2019	**06/05/2019**	**11/05/2019**	**06/07/2019**	**17/10/2019**
06/05/2019	**11/05/2019**	**06/07/2019**	**17/10/2019**	**07/11/2019**
चंद्र 16/03/2019	बुध 06/05/2019	शुक्र 20/05/2019	मंगल 04/08/2019	सूर्य 18/10/2019
बुध 16/03/2019	शुक्र 07/05/2019	मंगल 05/06/2019	सूर्य 10/08/2019	शनि 21/10/2019
शुक्र 26/03/2019	मंगल 09/05/2019	सूर्य 08/06/2019	शनि 23/08/2019	गुरु 24/10/2019
मंगल 13/04/2019	सूर्य 09/05/2019	शनि 15/06/2019	गुरु 06/09/2019	लग्न 25/10/2019
सूर्य 16/04/2019	शनि 09/05/2019	गुरु 23/06/2019	लग्न 12/09/2019	चंद्र 28/10/2019
शनि 24/04/2019	गुरु 10/05/2019	लग्न 26/06/2019	चंद्र 30/09/2019	बुध 29/10/2019
गुरु 03/05/2019	लग्न 10/05/2019	चंद्र 06/07/2019	बुध 01/10/2019	शुक्र 01/11/2019
लग्न 06/05/2019	चंद्र 11/05/2019	बुध 06/07/2019	शुक्र 17/10/2019	मंगल 07/11/2019

शनि	गुरु	लग्न	लग्न	लग्न
07/11/2019	**22/12/2019**	**12/02/2020**	**12/02/2020**	**12/02/2020**
22/12/2019	**12/02/2020**	**04/03/2020**	**04/03/2020**	**04/03/2020**
शनि 12/11/2019	गुरु 29/12/2019	लग्न 13/02/2020	लग्न 13/02/2020	लग्न 13/02/2020
गुरु 19/11/2019	लग्न 01/01/2020	चंद्र 17/02/2020	चंद्र 17/02/2020	चंद्र 17/02/2020
लग्न 21/11/2019	चंद्र 10/01/2020	बुध 17/02/2020	बुध 17/02/2020	बुध 17/02/2020
चंद्र 29/11/2019	बुध 11/01/2020	शुक्र 20/02/2020	शुक्र 20/02/2020	शुक्र 20/02/2020
बुध 30/11/2019	शुक्र 19/01/2020	मंगल 26/02/2020	मंगल 26/02/2020	मंगल 26/02/2020
शुक्र 07/12/2019	मंगल 02/02/2020	सूर्य 28/02/2020	सूर्य 28/02/2020	सूर्य 28/02/2020
मंगल 19/12/2019	सूर्य 05/02/2020	शनि 01/03/2020	शनि 01/03/2020	शनि 01/03/2020
सूर्य 22/12/2019	शनि 12/02/2020	गुरु 04/03/2020	गुरु 04/03/2020	गुरु 04/03/2020

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र
05/03/2019	23/04/2019	20/06/2019	10/08/2019	01/09/2019
23/04/2019	20/06/2019	10/08/2019	01/09/2019	31/10/2019
गुरु 11/03/2019	शनि 02/05/2019	बुध 27/06/2019	केतु 12/08/2019	शुक्र 11/09/2019
शनि 19/03/2019	बुध 10/05/2019	केतु 30/06/2019	शुक्र 15/08/2019	सूर्य 14/09/2019
बुध 26/03/2019	केतु 13/05/2019	शुक्र 09/07/2019	सूर्य 16/08/2019	चंद्र 19/09/2019
केतु 29/03/2019	शुक्र 23/05/2019	सूर्य 11/07/2019	चंद्र 18/08/2019	मंगल 22/09/2019
शुक्र 06/04/2019	सूर्य 26/05/2019	चंद्र 15/07/2019	मंगल 19/08/2019	राहु 02/10/2019
सूर्य 09/04/2019	चंद्र 31/05/2019	मंगल 18/07/2019	राहु 22/08/2019	गुरु 10/10/2019
चंद्र 13/04/2019	मंगल 03/06/2019	राहु 26/07/2019	गुरु 25/08/2019	शनि 19/10/2019
मंगल 15/04/2019	राहु 12/06/2019	गुरु 02/08/2019	शनि 29/08/2019	बुध 28/10/2019
राहु 23/04/2019	गुरु 20/06/2019	शनि 10/08/2019	बुध 01/09/2019	केतु 31/10/2019

सूर्य	चंद्र	मंगल	राहु	गुरु
31/10/2019	19/11/2019	19/12/2019	09/01/2020	04/03/2020
19/11/2019	19/12/2019	09/01/2020	04/03/2020	00/00/0000
सूर्य 01/11/2019	चंद्र 21/11/2019	मंगल 20/12/2019	राहु 18/01/2020	गुरु 04/03/2020
चंद्र 03/11/2019	मंगल 23/11/2019	राहु 24/12/2019	गुरु 25/01/2020	00/00/0000
मंगल 04/11/2019	राहु 28/11/2019	गुरु 26/12/2019	शनि 03/02/2020	00/00/0000
राहु 07/11/2019	गुरु 02/12/2019	शनि 30/12/2019	बुध 10/02/2020	00/00/0000
गुरु 09/11/2019	शनि 06/12/2019	बुध 02/01/2020	केतु 14/02/2020	00/00/0000
शनि 12/11/2019	बुध 11/12/2019	केतु 03/01/2020	शुक्र 23/02/2020	00/00/0000
बुध 15/11/2019	केतु 13/12/2019	शुक्र 07/01/2020	सूर्य 25/02/2020	00/00/0000
केतु 16/11/2019	शुक्र 18/12/2019	सूर्य 08/01/2020	चंद्र 01/03/2020	00/00/0000
शुक्र 19/11/2019	सूर्य 19/12/2019	चंद्र 09/01/2020	मंगल 04/03/2020	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - गुरु - शुक्र		राहु - गुरु - सूर्य		राहु - गुरु - चंद्र		राहु - गुरु - मंगल	
04/06/2019 10:34		28/10/2019 12:58		11/12/2019 08:53		22/02/2020 10:05	
28/10/2019 12:58		11/12/2019 08:53		22/02/2020 10:05		13/04/2020 13:19	
शुक्र	28/06/2019 18:58	सूर्य	30/10/2019 17:33	चंद्र	17/12/2019 10:59	मंगल	25/02/2020 09:40
सूर्य	06/07/2019 02:17	चंद्र	03/11/2019 09:13	मंगल	21/12/2019 17:15	राहु	04/03/2020 01:45
चंद्र	18/07/2019 06:29	मंगल	05/11/2019 22:35	राहु	01/01/2020 16:14	गुरु	10/03/2020 21:23
मंगल	26/07/2019 19:01	राहु	12/11/2019 12:22	गुरु	11/01/2020 09:59	शनि	18/03/2020 23:42
राहु	17/08/2019 16:59	गुरु	18/11/2019 08:37	शनि	22/01/2020 23:35	बुध	26/03/2020 05:34
गुरु	06/09/2019 04:30	शनि	25/11/2019 07:11	बुध	02/02/2020 07:57	केतु	29/03/2020 05:09
शनि	29/09/2019 07:41	बुध	01/12/2019 12:12	केतु	06/02/2020 14:13	शुक्र	06/04/2020 17:41
बुध	20/10/2019 00:25	केतु	04/12/2019 01:34	शुक्र	18/02/2020 18:25	सूर्य	09/04/2020 07:03
केतु	28/10/2019 12:58	शुक्र	11/12/2019 08:53	सूर्य	22/02/2020 10:05	चंद्र	13/04/2020 13:19

राहु - गुरु - राहु		राहु - शनि - शनि		राहु - शनि - बुध		राहु - शनि - केतु	
13/04/2020 13:19		23/08/2020 01:05		03/02/2021 20:44		01/07/2021 08:01	
23/08/2020 01:05		03/02/2021 20:44		01/07/2021 08:01		31/08/2021 01:21	
राहु	03/05/2020 06:41	शनि	18/09/2020 03:24	बुध	24/02/2021 18:08	केतु	04/07/2021 21:01
गुरु	20/05/2020 19:27	बुध	11/10/2020 11:47	केतु	05/03/2021 08:35	शुक्र	14/07/2021 23:55
शनि	10/06/2020 15:07	केतु	21/10/2020 02:31	शुक्र	29/03/2021 22:28	सूर्य	18/07/2021 00:47
बुध	29/06/2020 06:11	शुक्र	17/11/2020 13:48	सूर्य	06/04/2021 07:26	चंद्र	23/07/2021 02:14
केतु	06/07/2020 22:16	सूर्य	25/11/2020 19:35	चंद्र	18/04/2021 14:22	मंगल	26/07/2021 15:14
शुक्र	28/07/2020 20:14	चंद्र	09/12/2020 13:13	मंगल	27/04/2021 04:50	राहु	04/08/2021 17:50
सूर्य	04/08/2020 10:01	मंगल	19/12/2020 03:58	राहु	19/05/2021 07:43	गुरु	12/08/2021 20:09
चंद्र	15/08/2020 09:00	राहु	12/01/2021 21:19	गुरु	07/06/2021 23:37	शनि	22/08/2021 10:54
मंगल	23/08/2020 01:05	गुरु	03/02/2021 20:44	शनि	01/07/2021 08:01	बुध	31/08/2021 01:21

राहु - शनि - शुक्र		राहु - शनि - सूर्य		राहु - शनि - चंद्र		राहु - शनि - मंगल	
31/08/2021 01:21		20/02/2022 13:12		13/04/2022 14:22		09/07/2022 08:17	
20/02/2022 13:12		13/04/2022 14:22		09/07/2022 08:17		08/09/2022 01:38	
शुक्र	28/09/2021 23:20	सूर्य	23/02/2022 03:40	चंद्र	20/04/2022 19:51	मंगल	12/07/2022 21:18
सूर्य	07/10/2021 15:31	चंद्र	27/02/2022 11:46	मंगल	25/04/2022 21:18	राहु	21/07/2022 23:54
चंद्र	22/10/2021 02:31	मंगल	02/03/2022 12:38	राहु	08/05/2022 21:35	गुरु	30/07/2022 02:13
मंगल	01/11/2021 05:24	राहु	10/03/2022 08:00	गुरु	20/05/2022 11:11	शनि	08/08/2022 16:58
राहु	27/11/2021 05:59	गुरु	17/03/2022 06:33	शनि	03/06/2022 04:49	बुध	17/08/2022 07:25
गुरु	20/12/2021 09:10	शनि	25/03/2022 12:20	बुध	15/06/2022 11:45	केतु	20/08/2022 20:26
शनि	16/01/2022 20:26	बुध	01/04/2022 21:18	केतु	20/06/2022 13:12	शुक्र	30/08/2022 23:19
बुध	10/02/2022 10:19	केतु	04/04/2022 22:10	शुक्र	05/07/2022 00:11	सूर्य	03/09/2022 00:11
केतु	20/02/2022 13:12	शुक्र	13/04/2022 14:22	सूर्य	09/07/2022 08:17	चंद्र	08/09/2022 01:38

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

इस वर्ष आपकी भविष्यत् शीघ्र गति ग्रह बुध (मीन 05:30:37), एवं मन्दगति ग्रह शुक्र (मक 10:07:21), के मध्य है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस समय आपको सन्तति पक्ष से पूर्ण सुख की प्राप्ति होगी तथा अपने क्षेत्र में वे वांछित उन्नति एवं सफलताएं अर्जित करेंगे। सन्तति की अपेक्षा करने वालों को इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष में पुत्र रत्न की प्राप्ति हो सकती है। राजनीति में सक्रिय लोग इस समय राजनैतिक लाभ अजित करेगें तथा अन्य जनों को सरकार या उत्तराधिकारी वर्ग से लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त धनैश्वर्य की वृद्धि होगी तथा परिवारिक सुख शान्ति एवं समृद्धि भी बनी रहेगी। साथ ही अपने वाक्चातुर्य से सामाजिक प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। उच्च शिक्षा प्राप्त करने वालों के लिए वर्ष वांछित सफलता प्रदान करेगा।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

कम्बूल योग शुक्र और बुध के मध्य बन रहा है क्योंकि चन्द्रमा का शुक्र से इत्थशाल हो रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष आप बन्धुवर्ग से वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेगें तथा आपसी संबन्धों मे मधुरता का भाव होगा। इस समय दूर समीप की लाभदायक यात्राएं भी संपन्न होंगी। साथ ही आप स्वपराक्रम एवं बुद्धिमता से शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी संचार सुविधाओं यथा टेलीफोन आदि में वृद्धि होगी तथा यदि प्रकाशन आदि के इच्छुक है तो इस वर्ष में आपको वांछित सफलता मिलेगी।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

दुफालिकुत्थ योग शुक्र एवं बुध के मध्य बन रहा है क्योंकि शीघ्रगति ग्रह बुध दुर्बल है तथा मन्दगति ग्रह शुक्र बलिष्ठ है ।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष आपके कार्य क्षेत्र में विशिष्ट उन्नति एवं सफलता के योग बनेंगे। नौकरी करने वालों को इस समय प्रोन्नति मिलेगी तथा मान सम्मान एवं आर्थिक स्तर में वांछित वृद्धि होगी। व्यापारिक क्षेत्र में इस समय आशातीत लाभ होगा एवं किसी नवीन योजना का शुभारम्भ भी होगा या वर्तमान कार्य में भी विस्तार हो सकता है। इस समय भाग्य की प्रबलता होगी तथा भाग्योदय के अवसर प्राप्त होंगे। इसके अतिरिक्त कोई धार्मिक या मांगलिक कार्य भी घर में सम्पन्न होंगा। साथ ही पूंजीनिवेश के द्वारा भविष्य में लाभ के योग बनेंगे।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश बलवान है। अतः कुत्थ योग की सृष्टि हो रही है।

इस योग के प्रभाव से इस वर्ष में आपकी आय में आशातीत वृद्धि होगी जिसके आर्थिक सुदृढ़ता बनेगी। इस समय आपकी महत्वाकाक्षाएं भी पूर्ण होंगी तथा विलम्बित इच्छाओं की पूर्ति में आपको सफलता मिलेगी। साथ ही उच्चधिकार प्राप्त लोगों से आपके सम्पर्क स्थापित होंगे तथा उनसे वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करने मे आपको सफलता मिलेगी। बडे भाई से इस वर्ष में आपको वांछित सहयोग एवं लाभ की प्राप्ति हो सकती है। इसके अतिरिक्त शुत्रु एवं विपक्ष पर अपना प्रभाव स्थापित करने में समर्थ होंगे। इसी परिपेक्ष्य में आप कोई मुकद्दमा या चुनाव जीत सकते है या किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते है।

दुरूफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट की प्राप्ति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी दयनीय रहेगी तथा मन में संताप से व्याकुलता की प्रबलता रहेगी। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको दुःखों की प्राप्ति होगी। इस समय संतति या स्त्री से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनसे आपको कष्ट की ही प्राप्ति होगी साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में भी न्यूनता रहेगी तथा सभी लोग आपको उपहास का पात्र समझेंगे तथा छोटी छोटी बातों पर आपकी हंसी उड़ाएंगे। मित्र वर्ग से भी इस वर्ष आपको कोई सहयोग या लाभ नहीं मिलेगा। इस समय निम्न श्रेणी की महिलाओं से आपको अत्यधिक हानि तथा कष्ट प्राप्त होगा अतः प्रयत्नपूर्वक इनकी उपेक्षा करें तथा इनसे सावधान रहें।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। अतः आपको अत्यधिक परिश्रम करना पड़ेगा। साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी अवन्नति की संभावना रहेगी अतः इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें। आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा समय समय पर आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस वर्ष में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उनमें आपको असफलता ही प्राप्त होगी।अतः नवीन कार्यो को इस समय प्रारंभ न करें तथा धैर्य एवं शान्ति पूर्वक समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें ।साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे ।मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा ।अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट एवं परेशानी से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय रक्त विकार संबधी कोई परेशानी भी हो सकती है।मानसिक रूप से भी इस समय आप चिन्तित तथा असन्तुष्ट रहेंगे। मित्र एवं संबधियों से इस समय आपके संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव की भी संभावना रहेगी तथा उनसे सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। संतति पक्ष के लिए भी यह वर्ष मध्यम रहेगा तथा उनके सुख एवं सहयोग में भी अल्पता रहेगी। परन्तु अपने कार्य क्षेत्र में वे परिश्रम पूर्वक उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस वर्ष में विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा लाभ मार्ग अवरूद्ध रहेंगे जिससे आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक मात्रा में होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा इसमें अनावश्यक व्यवधान तथा समस्याएं उत्पन्न होंगी। व्यापार में आपकी उन्नति तथा लाभ में न्यूनता रहेगी तथा नौकरी या कार्य क्षेत्र में पदोन्नति में विलम्ब तथा रूकावटें उत्पन्न होंगी। साथ ही विरोधी पक्ष भी इस समय प्रबल रहेगा अतः ऐसे समय में आपको नवीन कार्य प्रारंभ नहीं करने चाहिए तथा सहयोगियों तथा साझेदारों से भी सावधान रहना चाहिए। इस वर्ष में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे फलतः ये आपसे अप्रसन्न से रहेंगे। अतः ऐसे समय में उन्नति एवं लाभ अर्जित करने के लिए इनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए तथा धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता तथा परेशानी से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे तथा मन में असन्तुष्टि तथा व्याकुलता विद्यमान रहेगी। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा भाग्य बल की भी न्यूनता रहेगी साथ ही आपके मानसिक संकल्प भी न्यूनाधिक मात्रा में सफल होंगे। मित्र एवं संबन्धियों से इस वर्ष आपके संबंध सामान्य रहेंगे तथा यदा कदा इसमें तनाव की अनुभूति होगी। अतः उनसे वांछित सुख एवं सहयोग में न्यूनता रहेगी। पारिवारिक सुख शान्ति भी इस समय मध्यम रहेगी तथापि यदा कदा मतभेद अवश्य रहेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा परन्तु धार्मिक कार्य कलापों का आप विशेष अनुसरण नहीं करेंगे। साथ ही संतति का सुख एवं सहयोग भी मध्यम रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष मध्यम रहेगा। इस समय आप परिश्रम एवं संघर्ष से व्यापार में उन्नति तथा लाभ मार्ग प्रशस्त करेंगे परन्तु नवीन कार्यो को प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में भी आपकी उन्नति होगी परन्तु इसमें अनावश्यक विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता आपसे विशेष सन्तुष्ट नहीं रहेंगे परन्तु अन्ततोगत्वा आप सफलता प्राप्त कर सकेंगे। आर्थिक स्थिति भी सामान्यतया अच्छी रहेगी तथापि व्ययाधिक्य के कारण परेशानी हो सकती है। इस वर्ष में आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा मध्यम रहेगी तथा यदा कदा आपको सम्मान अवश्य मिलेगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। अतः धैर्य एवं संयम पूर्वक कार्य सम्पन्न करें।

प्रथम मास

05/03/2019 12:09:05 से 04/04/2019 16:37:04 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	मृगशिरा	29:59:56
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:16:24
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	05:07:39
मंगल		मेष	भरणी	18:33:27
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	05:30:37
गुरु		वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:13:39
शुक्र		मकर	श्रवण	10:07:21
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:58:48
राहु	व	कर्क	पुनर्वसु	01:47:12
केतु	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	01:47:12
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	07:48:46

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

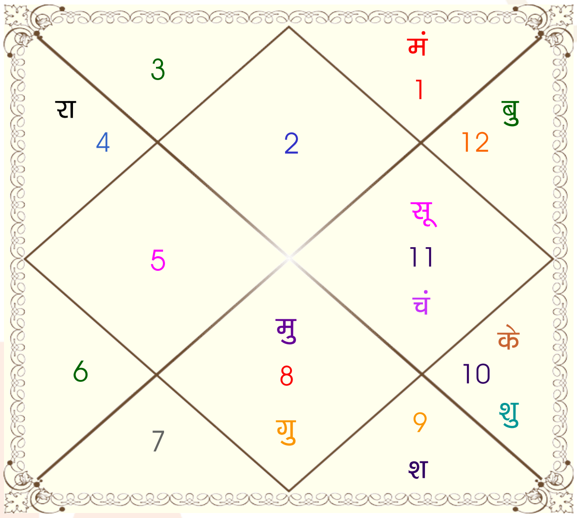

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु की तरफ से भी चिन्ता बनी रहेगी। आप में इस समय उत्साह की न्यूनता भी परिलक्षित होगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। आप शरीर से भी अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे तथा मन में लालच के भाव की भी प्रधानता होगी। साथ ही आप अपने शरीर का पूर्ण ध्यान नहीं रखेंगे। अपने बन्धुजनों से आपके सम्बन्धों में तनाव भी उत्पन्न होगा एवं मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिससे मानसिक तनाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य जनों से भी संघर्ष होने का भय बना रहेगा।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी समय समय पर घटित होंगे।अतः आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं बुद्धिमत्ता से अपने अधिकांश कार्यों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगे। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

द्वितीय मास

04/04/2019 16:37:04 से 05/05/2019 09:34:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	उ०फाल्गुनी	28:10:24
सूर्य		मीन	रेवती	20:16:24
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	10:01:58
मंगल		वृष	कृतिका	08:39:35
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:02:11
गुरु		धनु	मूल	00:10:04
शुक्र		कुम्भ	शतभिषा	16:17:16
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:51:59
राहु	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:00:19
केतु	व	धनु	उत्तराषाढ़ा	29:00:19
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	10:18:46

मासाधिपति

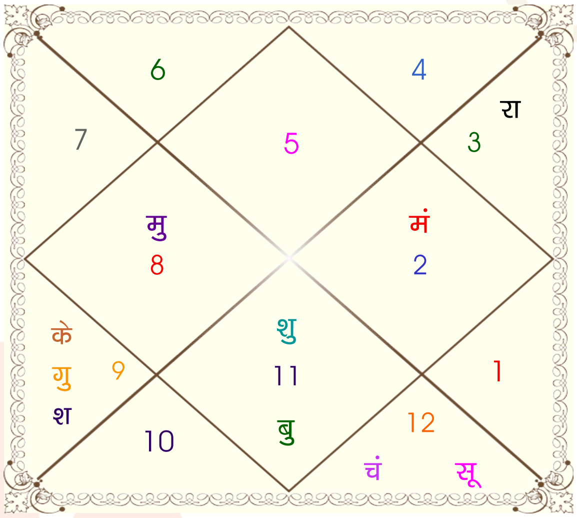

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आपके लिए मिलेजुले शुभाशुभ फल होंगे।अतः शारीरिक रूप से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे।साथ ही दुश्मनों से भी आपको भय तथा चिन्ता का वातावरण प्राप्त होगा फलतः मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे। इस समय पारिवारिक जनों से भी सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से आपसी सम्बन्धों में तनाव का वातावरण उत्पन्न होगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में इस मास हानि या मंदी आ सकती है साथ ही कोई परिवर्तन भी हो सकता है या संबधित कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य लोगों से भी आपके संबन्धों में कटुता उत्पन्न होगी। अतः सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिकत शरीर में रोग तथा धन की हानि होने की भी सम्भावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे जिससे आप उच्चाधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त करेंगे एवं कार्यों में किंचित उन्नति का भी आभास होगा। आप इस समय दूर समीप की यात्रा भी करेंगे एवं नवीन वस्त्रादि की भी प्राप्ति होगी। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

तृतीय मास

05/05/2019 09:34:51 से 05/06/2019 13:29:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	19:31:32
सूर्य		मेष	भरणी	20:16:24
चन्द्र		मेष	भरणी	22:56:51
मंगल		वृष	मृगशिरा	28:46:26
बुध		मेष	अश्विनी	02:58:47
गुरु	व	वृश्चिक	ज्येष्ठा	29:18:46
शुक्र		मीन	रेवती	23:27:00
शनि	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	26:22:30
राहु	व	मिथुन	पुनर्वसु	25:36:55
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:36:55
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	12:48:46

मासाधिपति

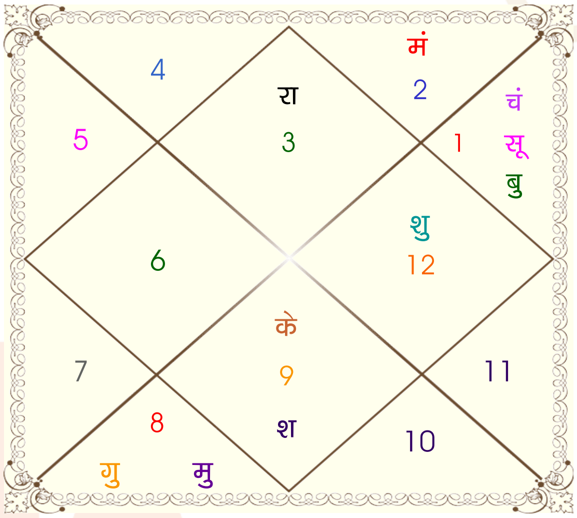

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी। आपके शत्रु इस समय अधिक प्रबल होंगे फलतः शत्रु पक्ष से भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है ।अतः सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। नौकरी या व्यवसाय में अपने उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित या जुर्माना प्राप्त कर सकते हैं। इस मास आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। इसके साथ ही आप किसी कठोर कार्य को भी सम्पन्न कर सकते हैं। जिसका प्रभाव आपकी प्रतिष्ठा पर पड़ेगा तथा इससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा। आपकी मित्रों तथा सम्बन्धियों से भी इस समय सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा आशाओं में पूर्ण सफलता प्राप्त करने में भी असमर्थ रहेंगे।

साथ ही इस समय आप पित्तादि दोषों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा रूधिर विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः इस मास शारीरिक सुरक्षा का भी आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए जिससे अल्प मात्रा में ही कष्ट हो।

चतुर्थ मास

05/06/2019 13:29:40 से 06/07/2019 23:42:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	11:34:46
सूर्य		वृष	रोहिणी	20:16:24
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	15:03:35
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	18:52:28
बुध		मिथुन	आर्द्रा	06:47:47
गुरु	व	वृश्चिक	ज्येष्ठा	26:01:51
शुक्र		वृष	कृतिका	01:19:39
शनि	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:22:54
राहु	व	मिथुन	पुनर्वसु	23:45:22
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:45:22
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	15:18:46

मासाधिपति

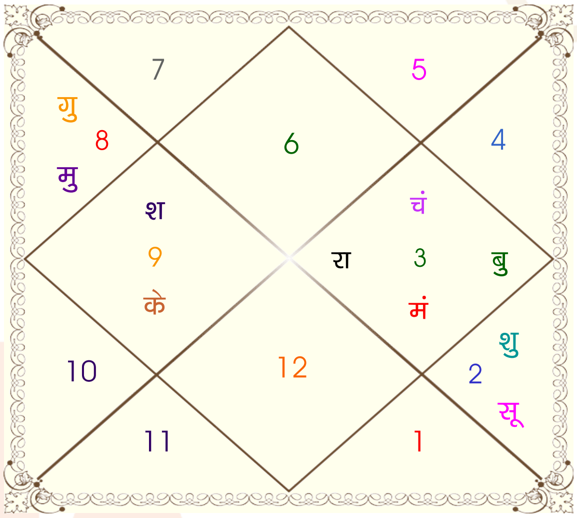

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए उत्तम तथा शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा नाना प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा तथा धर्मानुपालन में भी आपकी रुचि उत्पन्न होगी। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक रुप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आश्रय प्राप्त करके समाज में यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस महीने में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनको सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप सफलता अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी सुख प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी सद्विचारों की वृद्धि होगी। विविध प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग कर सकेंगे। इसके अलावा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी आप सफल हो सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपका शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

पंचम् मास

06/07/2019 23:42:12 से 07/08/2019 09:40:54 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	18:46:12
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	20:16:24
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:15:58
मंगल		कर्क	पुष्य	08:55:10
बुध		कर्क	पुष्य	10:16:56
गुरु	व	वृश्चिक	ज्येष्ठा	22:16:12
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	09:41:48
शनि	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:18:30
राहु		मिथुन	पुनर्वसु	23:29:55
केतु		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:29:55
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:48:46

मासाधिपति

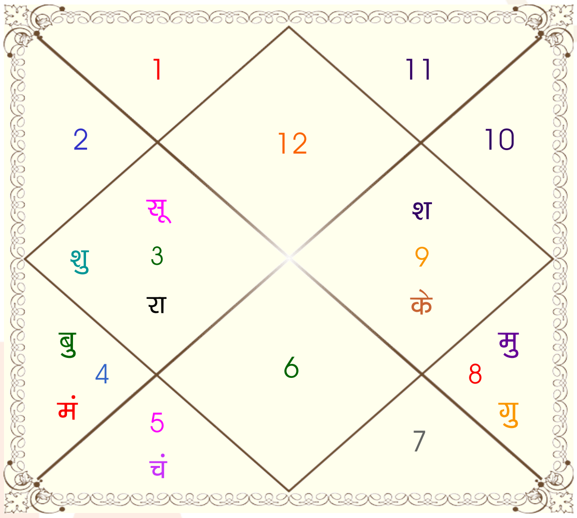

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप अधिकांश शुभ फल अर्जित करेंगे परन्तु अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेगा। साथ ही इस महीने में आप किसी धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का भी आयोजन कर सकते है। संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी तरफ से आपको कोई चिन्ता नहीं रहेगी साथ ही धार्मिक क्षेत्र में आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी एवं देवता तथा ब्राहमणों का आप श्रद्धा पूर्वक पूजन तथा सेवा करेंगे। समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में इस समय में पूर्ण वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा लाभ दायक यात्रा का भी योग बनेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण आदर तथा सम्मान प्राप्त होगा ।मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको उचित सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। इस समय आप समाज में सम्पन्न एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

परन्तु इस मास में आप गर्मी या पित्तादि से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही रक्त विकार का भय भी रहेगा अतः सावधानी तथा सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास

07/08/2019 09:40:54 से 07/09/2019 12:57:28 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	16:04:28
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	20:16:24
चन्द्र		तुला	स्वाति	13:12:17
मंगल		कर्क	आश्लेषा	28:51:36
बुध		कर्क	पुनर्वसु	01:44:20
गुरु	व	वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:24:30
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	18:19:07
शनि	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:07:49
राहु	व	मिथुन	पुनर्वसु	23:13:26
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:13:26
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:18:46

मासाधिपति

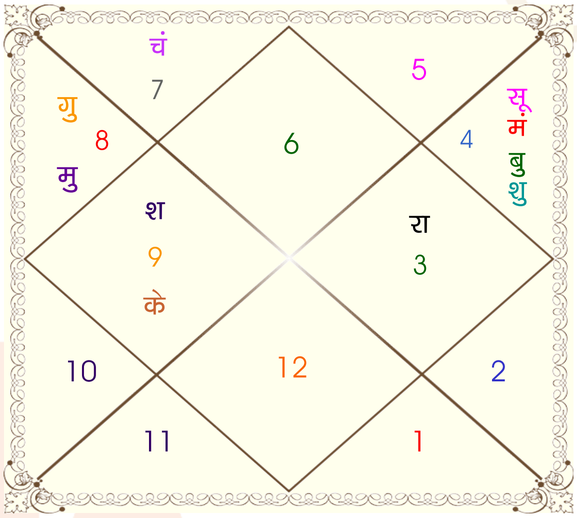

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विभिन्न प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगे साथ ही अन्य जनों की भलाई के लिए भी आप इस मास में कार्य करते रहेंगे। इस समय स्वास्थ्य भी सामान्य ही रहेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे जिससे समाज में आपको पूर्ण ख्याति प्राप्त होगी। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होगी। जिससे आप मानसिक सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी होंगे।अतः आप गर्मी या पित्तादि से उत्पन्न दोषों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे साथ ही किसी प्रकार से रूधिर विकार की संभावना भी हो सकती है अतः शारीरिक सुरक्षा का पूर्ण ध्यान रखें तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे कष्ट अल्प मात्रा में हों।

सप्तम् मास

07/09/2019 12:57:28 से 08/10/2019 05:02:17 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:39:48
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:16:24
चन्द्र		धनु	मूल	04:13:02
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:39:38
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:16:39
गुरु		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:27:30
शुक्र		सिंह	उ०फाल्गुनी	26:51:36
शनि	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:52:52
राहु		मिथुन	पुनर्वसु	21:50:06
केतु		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:50:06
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	22:48:46

मासाधिपति

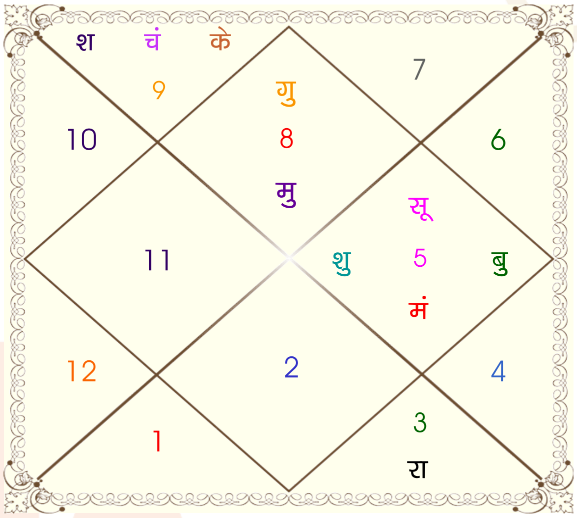

मासाधिपति : सूर्य

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष निर्बल रहेगा साथ ही लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। सामाजिक जनों तथा मित्रवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा में आशातीत वृद्धि होगी।उच्च उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे। इस मास में आपका भाग्य प्रबल रहेगा तथा शुभ कार्य यथासमय सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त समस्त सांसारिक कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा स्त्री वर्ग से भी सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके आप सुख एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आप रुचि रखेंगे तथा समाज एवं बन्धुवर्ग से यथोचित सम्मान भी प्राप्त करेंगे।

अष्टम् मास

08/10/2019 05:02:17 से 07/11/2019 08:36:38 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	07:47:30
सूर्य		कन्या	हस्त	20:16:24
चन्द्र		मकर	श्रवण	15:48:21
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	08:19:06
बुध		तुला	स्वाति	12:17:20
गुरु		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:03:56
शुक्र		तुला	चित्रा	04:57:44
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:05:51
राहु	व	मिथुन	आर्द्रा	19:03:08
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:03:08
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:18:46

मासाधिपति

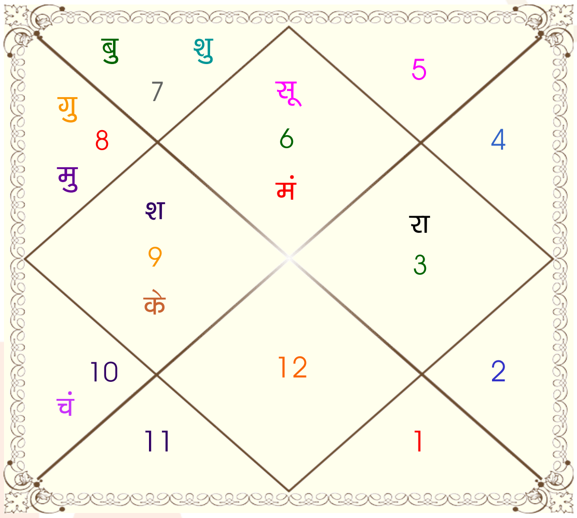

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिये सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही समाज में अन्य लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य ही रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास

07/11/2019 08:36:38 से 07/12/2019 01:42:36 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:56:07
सूर्य		तुला	विशाखा	20:16:24
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	19:41:02
मंगल		कन्या	चित्रा	27:52:51
बुध	व	वृश्चिक	विशाखा	00:18:35
गुरु		धनु	मूल	00:25:27
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	12:25:45
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:44:27
राहु	व	मिथुन	आर्द्रा	16:04:49
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	16:04:49
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:48:46

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

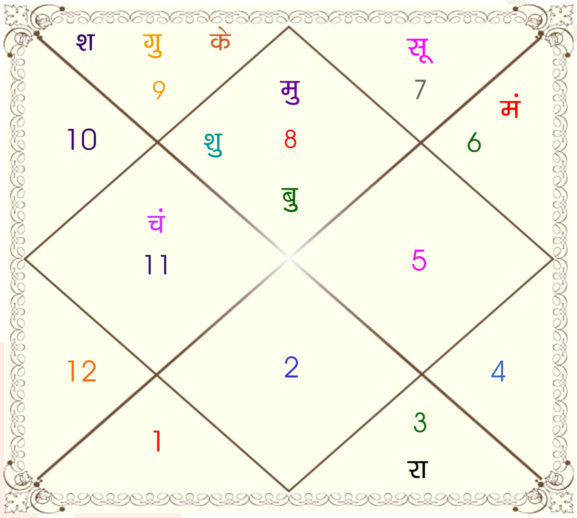

इस मास को आप अत्यन्त ही सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्नचित रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं को पराजित करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही आपके आय स्त्रोतों में भी वृद्धि होगी जिससे वांछित लाभ अर्जित होगा। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप लाभार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य में भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके चिर प्रतीक्षित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सिद्ध होंगे। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही आपके सांसारिक कार्य भी इस समय सफल होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करेंगे तथा इनसे पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को भी अर्जित करने में सफल हो सकते है। इस प्रकार यह महीना आपके लिए अत्यंत ही उत्तम फल दायक रहेगा।

दशम् मास

07/12/2019 01:42:36 से 05/01/2020 12:59:43 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	16:23:52
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:16:24
चन्द्र		मीन	रेवती	18:02:43
मंगल		तुला	स्वाति	17:26:46
बुध		वृश्चिक	विशाखा	02:14:17
गुरु		धनु	मूल	06:46:56
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:16:36
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	24:27:03
राहु	व	मिथुन	आर्द्रा	14:32:48
केतु	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:32:48
मुंथा		धनु	मूल	00:18:46

मासाधिपति

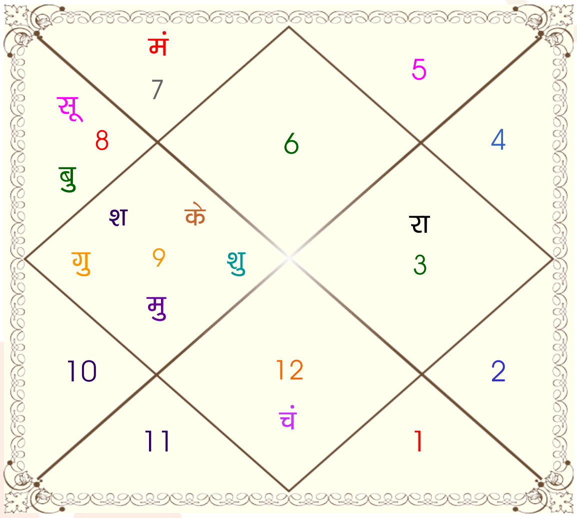

मासाधिपति : बुध

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास में आपके शत्रु प्रबल रहेंगे अतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रुप से आप अशान्त तथा उद्विग्न रहेंगे। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए।साथ ही आपके व्यापार या नौकरी आदि के क्षेत्र में शिथिलता रहेगी तथा कई अनावश्यक विध्न बाधाएं उत्पन्न होंगी। इस समय आपका कोई कार्य परिवर्तन हो सकता है या छूट भी सकता है। समाज में अन्य जनों से भी आपका परस्पर विवाद तथा संघर्ष होता रहेगा जिससे आपके सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि की भी संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाले रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा किसी दुर्घटना आदि से रूधिर विकार भी हो सकता है अतः इस मास में आप सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें तथा शारीरिक सुरक्षा की ओर विशेष ध्यान रखें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

एकादश मास

05/01/2020 12:59:43 से 04/02/2020 00:30:46 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	12:24:12
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:16:24
चन्द्र		मेष	भरणी	13:36:42
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	07:09:19
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:05:34
गुरु		धनु	पूर्वाषाढ़ा	13:31:52
शुक्र		मकर	धनिष्ठा	25:33:22
शनि		धनु	उत्तराषाढ़ा	27:46:10
राहु		मिथुन	आर्द्रा	14:15:34
केतु		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:15:34
मुंथा		धनु	मूल	02:48:46

मासाधिपति

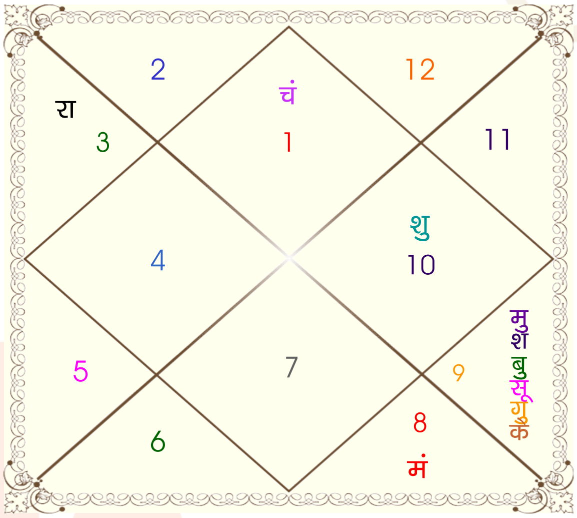

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जित करने में सफल रहेंगे तथा आर्थिक रूप से पूर्ण सम्पन्न रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथासमय सिद्ध करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप अपने घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते है। इस समय संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे।साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस समय आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा। अपने बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र सम्माननीय तथा आदरणीय समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में श्रद्धा का प्रदर्शन करते हुए आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में सम्मान अर्जित कर सकेंगे।

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020, फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.indianastrology.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

द्वादश मास

04/02/2020 00:30:46 से 04/03/2020 18:15:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	23:32:39
सूर्य		मकर	श्रवण	20:16:24
चन्द्र		वृष	कृतिका	09:48:45
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:10:06
बुध		कुम्भ	धनिष्ठा	06:20:55
गुरु		धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:08:23
शुक्र		मीन	पू०भाद्रपद	01:05:48
शनि		मकर	उत्तराषाढ़ा	01:13:51
राहु		मिथुन	आर्द्रा	13:41:50
केतु		धनु	पूर्वाषाढ़ा	13:41:50
मुंथा		धनु	मूल	05:18:46

मासाधिपति

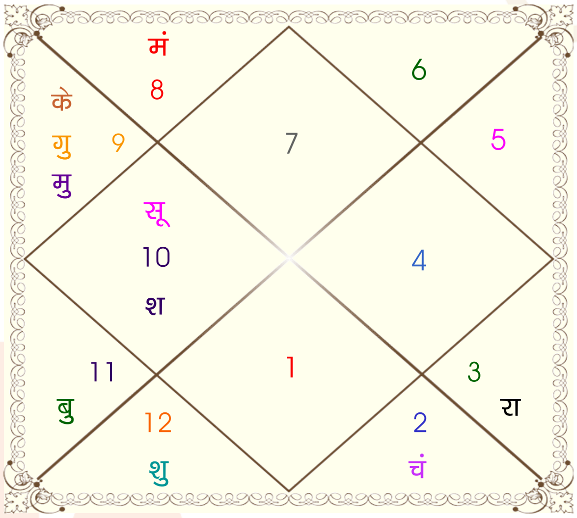

मासाधिपति : गुरु

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सभी सामाजिक तथा अन्य लोग आपकी श्रेष्ठता तथा प्रभुता को स्वीकार करेंगे एवं यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्रदान करेंगे।साथ ही आप धन एवं सुखोपभोग की सामग्री अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को करने के लिए भी हमेशा तत्पर रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप वांछित लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग मिलता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी फलतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी इस समय सम्पन्न होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव रहेगा तथा अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे।